

अकृतीकरण पुं. (तत्.) 1. कृत को अकृत करना, किए हुए को रद्द करना, निरस्त करना, निरसन 2. अप्रमाणित करना 3. अशून्य कर देना, अभिशून्य करना, मिटाना, निष्प्रभाव करना, उन्मीलन करना। nullification

अकृत्य वि. (तत्.) अकार्य, जो किए जाने योग्य न हो, अकरणीय पुं. 1. दुष्कर्म, कुकृत्य, बुरा कार्य 2. अपराध।

अकृत्यकारी वि. (तत्.) 1. न करने योग्य कर्म करने वाला, दुष्कर्मी, कुकर्मी 2. अपराधी।

अकृत्रिम वि. (तत्.) 1. जो कृत्रिम, नकली न हो, असली, यथार्थ, जो बनावटी न हो, वास्तविक 2. प्राकृतिक, नैसर्गिक, स्वाभाविक, सहज विलो. कृत्रिम।

अकृत्रिमता स्त्री. (तत्.) 1. अकृत्रिम होने की स्थिति/भाव, प्राकृतिकता 2. बनावटीपन का अभाव, स्वाभाविकता, सहजता 3. वास्तविकता, असलियत।

अकृपण वि. (तत्.) 1. जो कृपण न हो, जो कंजूस न हो 2. शाहखर्च, खर्चीले स्वभाव का विलो. कृपण।

अकृपणता स्त्री. (तत्.) कृपणता का अभाव, उदारता विलो. कृपणता।

अकृपा स्त्री. (तत्.) कृपा का अभाव, कोप, नाराज़गी।

अकृपालु पुं. (तत्.) जो कृपा का भाव न रखता हो, कृपा रहित, निर्दय, निर्दयी विलो. कृपालु।

अकृश वि. (तत्.) जो कृश या दुबला-पतला न हो, मोटा-तगड़ा, भरापूरा, स्थूल विलो. कृश।

अकृषिक वि. (तत्र.) कृषि से संबंध न रखने वाला, कृषीतर। non-agricultural

अकृषित वि. (तत्+तद्.) अकृष्ट, जिसे जोता बोया नहीं गया हो, अनजुता पुं. वह भूमिखण्ड (खेत) जिसे जोता-बोया न गया हो, परती जमीन। uncultivated

अकृष्ट वि. (तत्.) 1. जो खींचा न गया हो 2. अकर्षित 3. जो (भूमि) जोती न गई हो, परती भूमि।

अकृष्टपच्य वि. (तत्.) बिना जोते बोए खेत में स्वयमेव उगने और पकने वाला (अन्न)

अकृष्टपूर्वा वि. (तत्.) जो पहले कभी जोती न गई हो (ऐसी भूमि)।

अकृष्ण वि. (तत्.) 1. जो कृष्ण या काला न हो 2. श्वेत, सफेद 3. शुद्ध, निर्मल विलो. कृष्ण पुं. निष्कलंक (चाँद)।

अकेतन वि. (तत्.) बिना घरबार के, पुं. 1. संन्यास 2. यायावर, खानाबदोश।

अकेतु वि. (तत्.) 1. जिसका कोई चिह्न न हो, आकारशून्य परिचय-रहित, जिसकी पहचान संभव न हो 2. ध्वज रहित।

अकेला वि. (तद्.) 1. जिसके साथ कोई न हो, जिसका कोई साथी न हो, एकाकी 2. अद्वितीय, निराला मुहा. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता- अकेला व्यक्ति किसी बड़े काम को करने में समर्थ नहीं होता।

अकेला दम वि. (अर.+फा.) पूरी तरह से अकेला, एक ही (व्यक्ति) जिसके साथ कोई न हो, संग-साथ के बिना (व्यक्ति)।

अकेला दुकेला वि. (तद्.) जो अकेला हो अथवा जिसके साथ कोई एक और व्यक्ति या प्राणी हो, इक्का दुक्का।

अकेलापन पुं. (तद्.+देश) अकेला होने का भाव/अकेले होने की स्थिति, एकान्तता।

अकेली जान वि. (तद्.+फा) बिना किसी साथी के (जिंदगी), संगी-साथी के बिना अकेली (जिंदगी)।

अकेले क्रि.वि. (तद्.) 1. किसी साथी के बिना, एकाकी, तनहा 2. मात्र, सिर्फ, केवल।

अकेले अकेले वि (तद्.) बिना किसी साथी के, बिना किसी को साथ लिए।